भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **205**
गुरुवार, 02 फरवरी, 2023/ 13 माघ, 1944 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ान योजना के अंतर्गत घरेलू उड़ानें

205. श्री अजय कुमार मंडल:
डॉ. डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्रीमती लॉकेट चटर्जी:
श्री जुगल किशोर शर्माः
श्री सुनील कुमार पिन्टू:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
श्रीमती गीता कोडा:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उड़ान योजना के अंतर्गत घरेलू उड़ानों के प्रचालन के लिए पश्चिम बंगाल. जम्मू और कश्मीर, बिहार के भागलपुर, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और झारखंड में चयनित/चुने जाने वाले प्रस्तावित विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है;
(ख) उड़ान योजना के अंतर्गत पश्चिम बंगाल, जम्मू एवं कश्मीर, विशेष रूप से बिहार के भागलपुर, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और झारखंड में विकसित होने के लिए तैयार विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है
(ग) क्या पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, बिहार, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और झारखंड से और अधिक विमानपत्तनों को जोड़ने की मांग है:
(घ) यदि हां, तो पहले से जुड़े गंतव्यों और प्रस्तावित गंतव्यों का ब्यौरा क्या है:
(ङ) क्या उक्त योजना के अंतर्गत पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, बिहार और झारखंड में हवाईपट्टी के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया गया था और
(च) यदि हां, तो भागलपुर सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल) (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)

(क) से (च) पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, बिहार में भागलपुर, तमिल नाडु, महाराष्ट्र तथा झारखंड में उड़ान योजना के तहत घरेलू उड़ानों के प्रचालन हेतु चिन्हित किए गए हवाईअड्डों का विवरण नीचे दिया गया है:

पश्चिम बंगाल: कूचबिहार, बर्नपुर, दुर्गापुर, हाशीमारा, कलाईकुंडा तथा मालदा। उड़ान योजना के तहत दुर्गापुर हवाईअड्डे का प्रचालन शुरू किया गया है।

जम्मू और कश्मीर: शून्य

बिहार में भागलपुर, उड़ान दस्तावेज़ में अपरिचालित हवाईअड्डों कि सूची में शामिल है। उड़ान योजना के तहत बोली प्रक्रिया के चौथे दौर के पूरा होने तक किसी भी एयरलाइन बोलीदाता ने भागलपुर हवाईपट्टी से उड़ान योजना के तहत उड़ानों के प्रचालन के लिए कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

तमिलनाडु: वेल्लोर, नेवेली, सेलम, रामनाद तथा तंजौर। उड़ान योजना के तहत सेलम हवाईअड्डे का प्रचालन शुरू किया गया है।

महाराष्ट्र: जलगाँव, नांदेड़, कोल्हापुर, सोलापुर, अमरावती, नासिक, रत्नागिरी, गोंदिया तथा सिंधुदुर्ग। उड़ान योजना के तहत जलगाँव, नांदेड़, कोल्हापुर, नासिक, गोंदिया तथा सिंधुदुर्ग हवाईअड्डे का प्रचालन शुरू किया गया है।

झारखंड: बोकारो, दुमका, डाल्टनगंज, देवघर, हजारीबाग तथा जमशेदपुर। उड़ान योजना के तहत देवघर हवाईअड्डे का प्रचालन शुरू किया गया है।

हवाई संपर्क के माध्यम से देशभर में शहरों को जोड़ने के लिए सरकार को समय-समय पर अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। देश में हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए नागर विमानन मंत्रालय एयरलाइनों से बातचीत करता रहता है।

उड़ान बाजार-आधारित तथा सतत योजना है, जिसमें और अधिक गंतव्यों/स्टेशनों तथा मार्गों को शामिल करने के लिए समय-समय पर बोली के दौरों का प्रबंध किया जाता है। इच्छुक एयरलाइनें, विशिष्ट मार्गों पर मांग की अपने आकलन के आधार पर, उड़ान योजना के तहत बोली प्रक्रिया के दौरान अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। एयरलाइनों का चयन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। कोई भी हवाईअड्डा जिसे उड़ान योजना के अवार्ड किए गए मार्गों में शामिल किया जाता है तथा जिसे उड़ान प्रचालन शुरू करने हेतु स्तरोन्नयन/विकास कार्य की आवश्यकता है, का विकास 'अपरिचालित एवं अल्पपरिचालित हवाईअड्डों का जीर्णोद्धार' योजना के तहत किया जाता है।

*****